पर्यावरण, जल, ऊर्जा बचाएं

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भूजल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, मगर उसका सदुपयोग हमारा दायित्व है। पीने योग्य स्वच्छ जल कुल उपलब्ध पानी का एक प्रतिशत से भी कम है। आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम पानी को बर्बाद नहीं करेंगे। एक व्यक्ति पूरे जीवन में जितना प्रदूषण फैलाता है उसे शुद्ध करने में 300 वृक्षों की शक्ति लगती है। एक व्यक्ति एक दिन में जितनी ऑक्सीजन लेता है उससे 3 ऑक्सीजन सिलेण्डर भरे जा सकते है जिसकी अनुमानित लागत 2100/- बनती है। इस प्रकार एक व्यक्ति (यदि औसत आयु 65 वर्ष मान लें) अपने जीवनकाल में 5 करोड़ रूपये से अधिक मूल्य की ऑक्सीजन प्रकृति से मुफ्त में प्राप्त करता है परन्तु बदले में प्रकृति को कुछ नहीं देता। प्रति वर्ष जंगल कटते जा रहे हैं और इसी कारण प्रदूषण बढ़ रहा है जो वैश्विक तापमान बढ़ाने व जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण है। इससे वर्षा कम हो रही है और नदियों में जल घटता जा रहा है जो अधिक भूजल दोहन का बड़ा कारण है। प्रकृति से प्यार करें। प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें। हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और जल संरक्षण को अपनी आदत का भाग बनाएं। प्रदूषण न फैलाएं।

- ✡ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें। ✡ पुश बटन वाली टूंटी लगवायें।
- ✡ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें।
- ✡ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग द्वारा ही प्रयोग करें। ✡ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
- ✡ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले।
- ✡ पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं। विद्युत मोटर से पानी भरने वाली टंकी में 'वाटर बैल' लगवाएं।
- ✡ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- ✡ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
- ✡ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
- ✡ भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिचार्जर लगायें। ✡ सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) अपनायें।
- ✡ वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब में पानी एकत्रित करें।
- ✡ तम्बाकु का प्रयोग बिल्कुल न करें, चीनी व चावल का उपयोग कम से कम करें क्योंकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है। ✡ हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और उसकी स्वयं सुरक्षा करें।
- ✡ कागज बेकार न करें और कम से कम प्रयोग करें, क्योंकि कागज पेड़ के गुद्दे से बनता है।
- ✡ लकड़ी का कम से कम प्रयोग करें।

✡ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ✡ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल ट्यूब प्रयोग करें।
✡ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

पेड़ बचेगा, पानी बढ़ेगा – पानी बचेगा, जीवन बचेगा

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।

जल स्टार

अभियान संयोजक :

रमेश गोयल, बी.ए., बी.कॉम., एल एल.बी., आयकर सलाहकार

राष्ट्रीय संयोजक पर्यावरण, भारत विकास परिषद्

20, आर.एस.डी. कालोनी, सिरसा (हरि०) मो. 94160-49757, 92537-00005

Website : www.savewatersavelife.com, Email : rameshgoyalsrs@gmail.com

सौजन्य : मनीष गोयल सी.ए., सी.एस., एलएल.बी. मो. 092150-20757

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रैस (ऑफ-सैट), सिरसा 221543

पढ़ें और पढ़ायें – फैंकें नहीं, दूसरों को दे दें

जल, विद्युत बचत अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भूजल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अक्सर देखी गई है। पंजाब-हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडु, हरियाणा-दिल्ली, पंजाब-राजस्थान जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाव जग जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, मगर उसका सदुपयोग हमारा दायित्व है। पीने योग्य स्वच्छ जल कुल उपलब्ध पानी का एक प्रतिशत से भी कम है। भारत में जल संकट को दूर करने के रास्ते में चार मुख्य चुनोतियां है :- 1. सार्वजनिक सिंचाई नहरों की क्षमता में बढ़ौतरी, 2. कम हो रहे भूमि जल संग्रह को पुनः संग्रहित करना, 3. प्रति यूनिट पानी में फसलों की उत्पादकता में वृद्धि 4. भूमिगत और भूमि के उपर जल स्त्रोतों को नष्ट होने से बचाना। विख्यात जल विशेषज्ञ प्रो॰ आसित बिश्वास के अनुसार बीते दो सौ वर्षों के मुकाबले आने वाले 20 वर्षों में जल प्रबन्धन की आवश्यकता उससे अधिक होगी। अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो 'बिन पानी सब सून' अनुसार एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम तड़फने लगेंगे। किसी शहर या गांव में सभी मिलकर यदि यह संकल्प कर लें कि हम पानी को बर्बाद नहीं होने देंगे तो वहां कभी भी पानी की कमी नहीं होगी। आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम पानी को बर्बाद नहीं करेंगे।

निम्नलिखित अनुसार आप पानी की बचत कर सकते हैं :-

- ✡ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें।
- ✡ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। ✡ यदि सम्भव हो तो पुश बटन वाली टूंटी लगवायें।
- ✡ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग द्वारा ही प्रयोग करें। ✡ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
- ✡ किसी पाईप में रिसाय हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें। ✡ आर.ओ. का पानी बेकार न जाने दें।
- ✡ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले अन्यथा विशेष ध्यान रखें कि पानी बाहर न गिरे। ✡ पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं।
- ✡ बर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खंगाले हुए पानी को सफाई, पौधों या अन्य काम में लें।
- ✡ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- ✡ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
- ✡ यदि कही कोई सार्वजनिक नल खुला देखें तो उसे तुरन्त बन्द दें। ✡ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
- ✡ भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिचार्जर लगायें। ✡ सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) अपनायें।
- ✡ वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब में पानी एकत्रित करें।
- ✡ तम्बाकु, चीनी व चावल का उपयोग कम से कम करें क्योंकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है

✡ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ✡ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल टयूब प्रयोग करें।
✡ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

पानी बचेगा, जीवन बचेगा – बिजली बचेगी धन बचेगा

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।

जलस्टार

अभियान संयोजक :

रमेश गोयल, बी.ए., बी.कॉम., एलएल.बी., आयकर सलाहकार

क्षेत्रीय महामन्त्री, भारत विकास परिषद्

20, आर.एस.डी. कालोनी, सिरसा (हरि॰) मो. 94160-49757, 92152-20757

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रैस (ऑफ-सैट), सिरसा 221543

पढ़ें और पढ़ायें – फैंकें नहीं, दूसरों को दे दें

जल-विद्युत बचत अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दुनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भूजल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अक्सर देखी गई है। पंजाब-हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडु, हरियाणा-दिल्ली, पंजाब-राजस्थान जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाव जग जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, मगर उसका सदुपयोग हमारा दायित्व है। पीने योग्य स्वच्छ जल कुल उपलब्ध पानी का एक प्रतिशत से भी कम है। भारत में जल संकट को दूर करने के रास्ते में चार मुख्य चुनौतियां है :- 1. सार्वजनिक सिंचाई नहरों की क्षमता में बढ़ोतरी, 2. कम हो रहे भूमि जल संग्रह को पुनः संग्रहित करना, 3. प्रति यूनिट पानी में फसलों की उत्पादकता में वृद्धि 4. भूमिगत और भूमि के उपर जल स्त्रोतों को नष्ट होने से बचाना। विख्यात जल विशेषज्ञ प्रो॰ आसित विश्वास के अनुसार बीते दो सौ वर्षों के मुकाबले आने वाले 20 वर्षों में जल प्रबन्धन की आवश्यकता उससे अधिक होगी। अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो 'बिन पानी सब सून' अनुसार एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम तड़फने लगेंगे। किसी शहर या गांव में सभी मिलकर यदि यह संकल्प कर लें कि हम पानी को बर्बाद नहीं होने देंगे तो वहां कभी भी पानी की कमी नहीं होगी। आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम पानी को बर्बाद नहीं करेंगे।

निम्नलिखित अनुसार आप पानी की बचत कर सकते हैं :-

✡ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें।
✡ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। ✡ यदि सम्भव हो तो पुश बटन वाली टूटी लगवायें। ✡ पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं।
✡ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग द्वारा ही प्रयोग करें। ✡ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
✡ किसी पाईप में रिसाव हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें। ✡ आर.ओ. का पानी बेकार न जाने दें।
✡ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले अन्यथा विशेष ध्यान रखें कि पानी बाहर न गिरे। ✡ विद्युत मोटर से पानी भरने वाली टंकी में 'वाटर बैल' लगवाएं।
✡ बर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खंगाले हुए पानी को सफाई, पौधों या अन्य काम में लें।
✡ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
✡ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाडू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
✡ यदि कही कोई सार्वजनिक नल खुला देखें तो उसे तुरन्त बन्द दें। ✡ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
✡ भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिचार्जर लगायें। ✡ सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) अपनायें।
✡ वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब में पानी एकत्रित करें।
✡ तम्बाकु का उपयोग बिल्कुल न करें तथा चीनी व चावल का उपयोग कम करें क्योंकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है

✡ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ✡ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल ट्यूब प्रयोग करें।
✡ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

पानी बचेगा, जीवन बचेगा – बिजली बचेगी धन बचेगा

स्वयं करें, परिवार व काम वालों/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।

अभियान संयोजक :
रमेश गोयल, बी.ए., बी.कॉम., एल एल.बी., आयकर सलाहकार
क्षेत्रीय मन्त्री, भारत विकास परिषद्
20, आर.एस.डी. कालोनी, सिरसा (हरि॰) मो. 94160-49757, 92537-00005
सौजन्य : मनीष गोयल सी.ए., सी.एस., एल एल.बी. मो. 092150-20757

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रेस (ऑफ-सैट), सिरसा 221543

पढ़ें और पढ़ायें – फैंकें नहीं, दूसरों को दे दें

सम्पर्क सहयोग संस्कार सेवा समर्पण

भारत विकास परिषद, सिरसा

जल विद्युत बचत अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दुनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता। भू.स जल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर ही लडा जाएगा। 2031 तक वर्तमान स्तर से चार गुणा अधिक पानी की आवश्यकता होगी । पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है । पानी के लिए लड़ाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अक्सर देखी गई है । पंजाब हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडु, हरियाणा-दिल्ली जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाव जग जाहिर है । बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं । हवा,पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है परन्तु मुफ्त का माल नहीं है। भारत में जल संकट को दूर करने के रास्ते में चार मुख्य चुनौतियां हैं :- 1. सार्वजनिक सिंचाई नहरों की क्षमता में बढोतरी, 2. कम हो रहे भूमि जल संग्रह को पुन संग्रहित करना 3. प्रति यूनिट पानी में फसलों की उत्पादकता में वृद्धि 4. भूमिगत और भूमि के उपर जल स्त्रोतों को नष्ट होने से बचाना। विख्यात जल विशेषज्ञ प्रो0 आसित बिस्वास के अनुसार बीते दो सौ वर्षों के मुकाबले आने वाले 20 वर्षों में जल प्रबन्धन की आवश्यकता उससे अधिक होगी । अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो 'बिन पानी सब सून' अनुसार एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम तड़फने लगेंगे। किसी शहर या गांव में सभी मिलकर यदि यह संकल्प कर लें कि हम पानी को बरबाद नहीं होने देंगे तो वहां कभी भी पानी की कमी नहीं होगी । आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम पानी को बरबाद नहीं करेंगे।

हम निम्नलिखित अनुसार पानी की बचत कर सकते हैं :-

1. कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें। 2. शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। यदि सम्भव हो तो पुश बटन वाली टूंटी लगवायें। 3. नहाते समय पानी बाल्टी भर कर ही प्रयोग करें। 4. कपड़ो को मशीन में नहीं बाल्टी में खगालें। 5. किसी पाईप मे रिसाव हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें। 6. पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले। 7. बर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खगाले हुए पानी को पौधो व बगीचे में या अन्यथा काम लें। 8. गिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। 9. घरों में फर्श धोने की बजाए केवल पोचा लगाकर ही साफ करें । पाईप से फर्श कभी न धोए। 10. यदि कहीं कोई सार्वजनिक नल खुला देखे तो उसे तुरन्त बन्द कर दें । 11. पाईप लगाकर अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं। 12. अनावश्यक छिड़काव बिलकुल न करें तथा पीने वाले पानी से पशु न नहलाएं। 13. आर ओ द्वारा निकाला गया पानी बेकार न जाने दें। 14. पौधो को आवश्यकता अनुसार पाईप की बजाए बाल्टी से ही पानी दें। 15. सिंचाई के लिए फव्वारा/ड्रिप तकनीक (सिंक्लिर सिस्टम) अपनाए। 16. वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाए तथा गांव के तालाब में पानी एकत्रित करें। 17. भूजल स्तर बढाने के लिए रिचार्जर लगाएं।

*** बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें । * बड़े बल्ब की बजाए सी एफ एल ट्यूब प्रयोग करें ।**

*** रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें**

पानी बचेगा, जीवन बचेगा — बिजली बचेगी धन भी बचेगा।

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझायें, समाज को जगायें, देश बचायें।

अभियान संयोजक : रमेश गोयल
क्षेत्रीय संयोजक, भारत विकास परिषद,
20 आर एस डी कलोनी, सिरसा (हरियाणा) मो. 09416049757, 092152.20757

सौजन्य :

For An Exclusive Nakshtra Diamond Jewellery
Nakshtra Universe
ROYAL'S DIAMONDS
Old Civil Hospital Market, Sirsa (Haryana)
94160-41214, 92150-41214, 92543-41214, 01666-235214

पढें और पढ़ायें – फैंकें नहीं काम में लाएं।

राष्ट्रपथ प्रिंटर्स, 92156-20210, 92156-22300

❄ सम्पर्क ❄ सहयोग ❄ संस्कार ❄ सेवा ❄ समर्पण

भारत विकास परिषद्, सिरसा

जल, विद्युत बचत अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भू व जल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अवसर देखी गई है। पंजाब-हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडु, हरियाणा-दिल्ली, पंजाब-राजस्थान जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाव जग जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन हैं। अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम तड़पने लगेंगे। संकल्प करें कि हम पानी को बरबाद नहीं होने देंगे।

निम्नलिखित अनुसार आप पानी की बचत कर सकते हैं :–

✡ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें।
✡ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। यदि सम्भव हो तो पुश बटन वाली टूंटी लगवायें।
✡ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग द्वारा ही प्रयोग करें। ✡ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
✡ किसी पाईप में रिसाव हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें। ✡ आर.ओ. का पानी बेकार न जाने दें।
✡ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले अन्यथा विशेष ध्यान रखें कि पानी बाहर न गिरे। ✡ अपने वाहनों को पाईप से न धोएं।
✡ वर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खंगाले हुए पानी को सफाई, पौधों या अन्य काम में लें।
✡ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें।
✡ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी न धोएं।
✡ यदि कही कोई सार्वजनिक नल खुला देखें तो उसे तुरन्त बन्द दें। ✡ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
✡ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ✡ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल टयूब प्रयोग करें।
✡ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

पानी बचेगा, बिजली बचेगी – बिजली बचेगी धन भी बचेगा

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।

अभियान संयोजक :

रमेश गोयल
क्षेत्रीय संयोजक, भारत विकास परिषद्
मो. 94160-49757, 92152-20757

डी०डी० वर्मा
सिरसा शाखा अध्यक्ष
मो. 94161-27324

हरी औम भारद्वाज
(सचिव)
मो. 94161-24879

सौजन्य :

गुप्ता चश्माघर

फोन : 01666-222411

सुरतगढ़िया चौक, सिरसा

पढ़ें और पढ़ायें – फैंकें नहीं काम में लाएं

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रेस (ऑफ-सैट), सिरसा 221543

❄ सम्पर्क ❄ सहयोग ❄ संस्कार ❄ सेवा ❄ समर्पण

भारत विकास परिषद्, सिरसा

जल, विद्युत बचत अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भू व जल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अक्सर देखी गई है। पंजाब-हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडू, हरियाणा-दिल्ली, पंजाब-राजस्थान जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाव जग जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन हैं। अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम तड़पने लगेंगे। संकल्प करें कि हम पानी को बरबाद नहीं होने देंगे।

निम्नलिखित अनुसार आप पानी की बचत कर सकते हैं :–

✡ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें।
✡ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। यदि सम्भव हो तो पुश बटन वाली टूंटी लगवायें।
✡ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग द्वारा ही प्रयोग करें। ✡ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
✡ किसी पाईप में रिसाव हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें। ✡ आर.ओ. का पानी बेकार न जाने दें।
✡ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले अन्यथा विशेष ध्यान रखें कि पानी बाहर न गिरे। ✡ पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं।
✡ बर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खंगाले हुए पानी को सफाई, पौधों या अन्य काम में लें।
✡ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें।
✡ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी न धोएं।
✡ यदि कही कोई सार्वजनिक नल खुला देखें तो उसे तुरन्त बन्द दें। ✡ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
✡ जल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रीचार्जर लगायें। ✡ सिंचाई के लिए ड्रिप तकनीक अपनायें।
✡ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ✡ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल टयूब प्रयोग करें।
✡ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

पानी बचेगा, बिजली बचेगी – बिजली बचेगी धन भी बचेगा

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।

अभियान संयोजक :
रमेश गोयल
क्षेत्रीय संयोजक, भारत विकास परिषद्
20, आर.एस.डी. कालोनी, सिरसा मो. 94160-49757, 92152-20757

डी०डी० वर्मा
सिरसा शाखा अध्यक्ष
मो. 94161-27324

हरी औम भारद्वाज
(सचिव)
मो. 94161-24879

सौजन्य :
All Kinds of Flex Printing
Pankaj Printers
Raman Sarraf : 94162-78333
Pankaj Sarraf : 94160-47888, 92159-47888
227 S.C.F., Old Civil Hospital Road, SIRSA 92543-47888

पढ़ें और पढ़ायें – फैंकें नहीं काम में लाएं

क्.पृ.उ.
सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रेस (ऑफ-सैट), सिरसा 221543

पढ़ें और पढ़ायें – फैंकें नहीं काम में लाएं

❊ सम्पर्क ❊ सहयोग ❊ संस्कार ❊ सेवा ❊ समर्पण

भारत विकास परिषद्, सिरसा

जल विद्युत बचत अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भू व जल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अक्सर देखी गई है। पंजाब-हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडू, हरियाणा-दिल्ली पंजाब-राजस्थान जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाव जग जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है परन्तु मुफ्त का माल नहीं है। अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम तड़पने लगेंगे। संकल्प करें कि हम पानी को बरबाद नहीं होने देंगे।

निम्नलिखित अनुसार आप पानी की बचत कर सकते हैं :–

✡ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें।

✡ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। यदि सम्भव हो तो पुश बटन वाली टूंटी लगवायें।

✡ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग द्वारा ही प्रयोग करें। ✡ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।

✡ किसी पाईप में रिसाव हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें।

✡ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले अन्यथा विशेष ध्यान रखें कि पानी बाहर न गिरे। ✡ अपने वाहनों को पाईप से न धोएं।

✡ बर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खंगाले हुए पानी को सफाई, पौधों या अन्य काम लें।

✡ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें।

✡ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी न धोएं।

✡ यदि कही कोई सार्वजनिक नल खुला देखें तो उसे तुरन्त बन्द कर दें। ✡ छिड़काव न करें।

✡ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ✡ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल टयूब प्रयोग करें।

✡ रसाई, शैचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

पानी बचेगा, बिजली बचेगी – बिजली बचेगी धन भी बचेगा

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।

रमेश गोयल	डी.एन. अग्रवाल	डी डी वर्मा	हरी ओम भारद्वाज	सुमन मित्तल
अभियान संयोजक	अभियान सह-संयोजक	शाखा अध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष
मो. 9416049757	मो. 9215266769	मो. 9416127324	मो. 9416124879	मो. 9416475531

सौजन्य से :

uti UTI Mutual Fund

UTI Collection Centre

142, Multani Colony, Sirsa Ph. 231269, Cell. 92152-66769

D.N. Aggarwal

Chief Representative
UTI Mutual Fund

UTI-ULIP * FIX DEPOSIT * LIFE INSURANCE * MUTUAL FUND * INCOME TAX PAN CARD

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रैस (ऑफ-सैट), सिरसा 221543

पर्यावरण एवं जल संरक्षण अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बर्बाद करते हैं। भू-जलस्तर में तेजी से गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्त्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, मगर उसका सदुपयोग हमारा दायित्व है। पीने योग्य स्वच्छ जल कुल उपलब्ध जल का एक प्रतिशत से भी कम है। एक व्यक्ति पूरे जीवन में जितना प्रदूषण फैलाता है उसे शुद्ध करने में 300 वृक्षों की शक्ति लगती है। एक व्यक्ति एक दिन में जितनी ऑक्सीजन लेता है उससे 3 ऑक्सीजन सिलेण्डर भरे जा सकते हैं जिसकी अनुमानित लागत 2100/- बनती है। इस प्रकार एक व्यक्ति औसतन अपने जीवनकाल में 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की ऑक्सीजन प्रकृति से मुफ्त में प्राप्त करता है परन्तु बदले में प्रकृति को कुछ नहीं देता। प्रति वर्ष जंगल कटते जा रहे हैं और इसी कारण प्रदूषण बढ़ रहा है जो वैश्विक तापमान बढ़ाने व जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण है। इससे वर्षा कम हो रही है और नदियों से जल घटता जा रहा है जो अधिक भूजल दोहन का बड़ा कारण है। प्रकृति से प्यार करें। प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करें। हर वर्ष एक पौधा अवश्य लगाएं और जल ऊर्जा संरक्षण को अपनी आदत का भाग बनाएं। प्रदूषण न फैलाएं-

- ❊ कभी भी नल को खुला न छोड़ें।
- ❊ पुश बटन वाली टूंटी लगवाएं।
- ❊ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग मग से ही करें।
- ❊ नहाते समय बाल्टी तथा छोटे लोटे या मग का ही प्रयोग करें।
- ❊ कपड़ों को मशीन में नहीं बाल्टी में खंगालें।
- ❊ कम कपड़ों में मशीन न चलाएं।
- ❊ ड्रायर का पानी सफाई के काम में लें।
- ❊ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले। टंकी में अलॉम 'वाटर बेल' लगवाएं।
- ❊ पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं।
- ❊ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- ❊ फर्श धोने की बजाय केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
- ❊ छिड़काव बिल्कुल न करें।
- ❊ भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिजार्चर लगायें व सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) अपनाएं।
- ❊ वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब व परम्परागत जल संग्रहक में पानी एकत्रित करें।
- ❊ तम्बाकू का प्रयोग बिल्कुल न करें, चीनी व चावल का उपयोग कम से कम करें क्योंकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है। हर वर्ष कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं और पेड़ बनने तक उसकी स्वयं सुरक्षा करें।
- ❊ कागज बेकार न करें और कम से कम प्रयोग करें, क्योंकि कागज पेड़ के गुद्दे से बनता है।
- ❊ लकड़ी के सामान का कम से कम प्रयोग करें।

स्वच्छ भारत अभियान में अपना सहयोग करें। कूड़ा कर्कट खुल्ले में न डालें।

❊ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलाएं। ❊ बड़े बल्ब की बजाय एलईडी ट्यूब प्रयोग करें। ❊ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलाएं। ❊ सौर ऊर्जा उपकरण उपयोग करें। ऊर्जा बचेगी व स्वास्थ्य लाभ मिलेगा।

पेड़ बचेगा, पानी बढ़ेगा-पानी बचेगा, जीवन बचेगा

भोजन तैयार होने तक अन्न, श्रम, जल, ऊर्जा, धन व कई महीनों का समय लगता है।
भोजन बर्बाद न करें। इतना ही लो थाली में व्यर्थ न जाए नाली में।

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचायें।

अभियान संचालक - रमेश गोयल, पर्यावरणविद् एवं जल स्टार
Phone : 9416049757 E-mail: rameshgoyalsrs@gmail.com www.facebook.com/ramesh.goyal.52

पर्यावरण प्रेरणा

(वृक्ष लगाने व वृक्ष बचाने, जल ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण रोकथाम एवं स्वच्छता के निमित्त राष्ट्रीय संस्थान)

कृपया पढ़कर फेंकें नहीं, किसी अन्य को पढ़ने के लिए दे दें।

अक्षर प्रिंटर्स 9717225609, 9136802169

जल, विद्युत बचत अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भूजल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अक्सर देखी गई है। पंजाब-हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडू, हरियाणा-दिल्ली, पंजाब-राजस्थान जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाव जग जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है, मगर उसका सदुपयोग हमारा दायित्व है। पीने योग्य स्वच्छ जल कुल उपलब्ध पानी का एक प्रतिशत से भी कम है। भारत में जल संकट को दूर करने के रास्ते में चार मुख्य चुनोतियां है :- 1. सावर्जनिक सिंचाई नहरों की क्षमता में बढ़ौतरी, 2. कम हो रहे भूमि जल संग्रह को पुनः संग्रहित करना, 3. प्रति यूनिट पानी में फसलों की उत्पादकता में वृद्धि 4. भूमिगत और भूमि के उपर जल स्त्रोतों को नष्ट होने से बचाना। विख्यात जल विशेषज्ञ प्रो॰ आसित विश्वास के अनुसार बीते दो सौ वर्षों के मुकाबले आने वाले 20 वर्षों में जल प्रबन्धन की आवश्यकता उससे अधिक होगी। अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो 'बिन पानी सब सून' अनुसार एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम तड़फने लगेंगे। किसी शहर या गांव में सभी मिलकर यदि यह संकल्प कर लें कि हम पानी को बर्बाद नहीं होने देंगे तो वहां कभी भी पानी की कमी नहीं होगी। आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करें कि हम पानी को बर्बाद नहीं करेंगे।

निम्नलिखित अनुसार आप पानी की बचत कर सकते हैं :-

- ✡ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें।
- ✡ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। ✡ यदि सम्भव हो तो पुश बटन वाली टूंटी लगवायें।
- ✡ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग द्वारा ही प्रयोग करें। ✡ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
- ✡ किसी पाईप में रिसाव हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें। ✡ आर.ओ. का पानी बेकार न जाने दें।
- ✡ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले अन्यथा विशेष ध्यान रखें कि पानी बाहर न गिरे। ✡ पाईप से अपने वाहनों को न धोएं तथा पशु न नहलाएं।
- ✡ बर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खंगाले हुए पानी को सफाई, पौधों या अन्य काम में लें।
- ✡ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। धोने से परहेज करें।
- ✡ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी भी न धोएं।
- ✡ यदि कही कोई सार्वजनिक नल खुला देखें तो उसे तुरन्त बन्द दें। ✡ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।
- ✡ भूजल स्तर बढ़ाने के लिए वाटर रिचार्जर लगायें। ✡ सिंचाई के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली (ड्रिप तकनीक) अपनायें।
- ✡ वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब में पानी एकत्रित करें।
- ✡ तम्बाकु, चीनी व चावल का उपयोग कम से कम करें क्योंकि इनके उत्पादन में सर्वाधिक पानी खर्च होता है

✡ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ✡ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल टयूब प्रयोग करें।
✡ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

पानी बचेगा, जीवन बचेगा – बिजली बचेगी धन बचेगा

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।

अभियान संयोजक :

रमेश गोयल, बी.ए., बी.कॉम., एल एल.बी., आयकर सलाहकार

क्षेत्रीय महामन्त्री, भारत विकास परिषद्

20, आर.एस.डी. कालोनी, सिरसा (हरि॰) मो. 94160-49757, 92152-20757

सौजन्य : मनीष गोयल सी.ए., सी.एस., एल एल.बी. मो. 092150-20757

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रेस (ऑफ-सैट), सिरसा 221543

पढ़ें और पढ़ायें – फैंकें नहीं, दूसरों को दे दें

सम्पर्क सहयोग संस्कार सेवा समर्पण

भारत विकास परिषद, सिरसा

जल विद्युत बचत अभियान

जल ही जीवन है यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दुनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता। भू व जल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर ही लडा जाएगा। 2031 तक वर्तमान स्तर से चार गुणा अधिक पानी की आवश्यकता होगी । पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड रहा है । पानी के लिए लडाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अक्सर देखी गई है । पजाब हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडू, हरियाणा-दिल्ली जैसे प्रांतो का पानी के लिए आपसी तनाव जग जाहिर है । बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने मे बहुत पानी बरबाद करते है । हवा,पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है परन्तु मुफ्त का माल नहीं है। भारत में जल संकट को दूर करने के रास्ते में चार मुख्य चुनौतियां है – 1. सार्वजनिक सिंचाई नहरों की क्षमता में बढोतरी, 2. कम हो रहे भूमि जल संग्रह को पुन संग्रहित करना 3. प्रति यूनिट पानी में फसलों की उत्पादकता मे वृद्धि 4. भूमिगत और भूमि के उपर जल स्त्रोतों को नष्ट होने से बचाना। विख्यात जल विशेषज्ञ प्रो० आसित बिस्वास के अनुसार बीते दो सौ वर्षों के मुकाबले आने वाले 20 वर्षों में जल प्रबन्धन की आवश्यकता उससे अधिक होगी । अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो 'बिन पानी सब सून अनुसार एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम तडफने लगेंगे। किसी शहर या गांव में सभी मिलकर यदि यह संकल्प कर लें कि हम पानी को बरबाद नहीं होने देंगे तो वहा कभी भी पानी की कमी नहीं होगी । आओ हम सब मिलकर यह सुनिश्चित करे कि हम पानी को बरबाद नही करेंगे।

हम निम्नलिखित अनुसार पानी की बचत कर सकते हैं :–

1. कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें। 2. शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। यदि सम्भव हो तो पुश बटन वाली टूंटी लगवायें। 3. नहाते समय पानी बाल्टी भर कर ही प्रयोग करें। 4. कपड़ों को मशीन में नहीं बाल्टी में खंगालें। 5. किसी पाईप में रिसाव हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें। 6. पानी की टंकी/कूलर आदि मे गुब्बारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले। 7. बर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खंगाले हुए पानी को पौधों व बगीचे मे या अन्यथा काम लें। 8. मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें। 9. घरों में फर्श धोने की बजाए केवल पोंचा लगाकर ही साफ करें । पाईप से फर्श कभी न धोएं। 10. यदि कहीं कोई सार्वजनिक नल खुला देखे तो उसे तुरन्त बन्द कर दें । 11. पाईप लगाकर अपने वाहनों को न धोए तथा पशु न नहलाए। 12. अनावश्यक छिड़काव बिलकुल न करें तथा पीने वाले पानी से पशु न नहलाए। 13. आर ओ द्वारा निकाला गया पानी बेकार न जाने दें। 14. पौधों को आवश्यकता अनुसार पाईप की बजाए बाल्टी से ही पानी दें। 15. सिंचाई के लिए फव्वारा/ड्रिप तकनीक (स्प्रिंक्लिर सिस्टम) अपनाएं। 16. वर्षा जल संग्रहण तकनीक अपनाएं तथा गांव के तालाब में पानी एकत्रित करें। 17. भूजल स्तर बढ़ाने के लिए रिचार्जर लगाएं।

* बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें । * बड़े बल्ब की बजाए सी एफ एल ट्यूब प्रयोग करें ।

* रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें

पानी बचेगा, जीवन बचेगा – बिजली बचेगी धन भी बचेगा।

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझायें, समाज को जगायें, देश बचायें।

अभियान संयोजक : रमेश गोयल
क्षेत्रीय सयोजक, भारत विकास परिषद्,
20 आर एस डी कलोनी, सिरसा (हरियाणा) मो. 09416049757, 092152.20757

सौजन्य :

For An Exclusive Nakshtra Diamond Jewellery
Nakshtra Universe
ROYAL'S DIAMONDS
Old Civil Hospital Market, Sirsa (Haryana)
94160-41214, 92150-41214, 92543-41214, 01666-235214

पढें और पढ़ायें – फेंकें नहीं काम में लाएं।

राष्ट्रपथ प्रिंटर्स, 92158–20210, 92156–22300

❄ सम्पर्क ❄ सहयोग ❄ संस्कार ❄ सेवा ❄ समर्पण

भारत विकास परिषद्, सिरसा

जल, विद्युत बचत अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भू व जल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अक्सर देखी गई है। पंजाब-हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडू, हरियाणा-दिल्ली, पंजाब-राजस्थान जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाव जग जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन हैं। अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम तड़पने लगेंगे। संकल्प करें कि हम पानी को बरबाद नहीं होने देंगे।

निम्नलिखित अनुसार आप पानी की बचत कर सकते हैं :–

✡ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें।

✡ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। यदि सम्भव हो तो पुश बटन वाली टूंटी लगवायें।

✡ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग द्वारा ही प्रयोग करें। ✡ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।

✡ किसी पाईप में रिसाव हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें। ✡ आर.ओ. का पानी बेकार न जाने दें।

✡ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले अन्यथा विशेष ध्यान रखें कि पानी बाहर न गिरे। ✡ अपने वाहनों को पाईप से न धोएं।

✡ बर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खंगाले हुए पानी को सफाई, पौधों या अन्य काम में लें।

✡ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें।

✡ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी न धोएं।

✡ यदि कही कोई सार्वजनिक नल खुला देखें तो उसे तुरन्त बन्द दें। ✡ अनावश्यक छिड़काव बिल्कुल न करें।

✡ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ✡ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल टयूब प्रयोग करें।

✡ रसोईघर, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

पानी बचेगा, बिजली बचेगी – बिजली बचेगी धन भी बचेगा

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।

अभियान संयोजक :

रमेश गोयल
क्षेत्रीय संयोजक, भारत विकास परिषद्
मो. 94160-49757, 92152-20757

डी०डी० वर्मा
सिरसा शाखा अध्यक्ष
मो. 94161-27324

हरी ओम भारद्वाज
(सचिव)
मो. 94161-24879

सौजन्य :

गुप्ता चश्माघर

फोन : 01666-222411

सुरतगढ़िया चौक, सिरसा

पढ़ें और पढ़ायें – फैंकें नहीं काम में लाएं

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रेस (ऑफ-सैट), सिरसा 221543

पढ़ें और पढ़ायें – फैंकें नहीं काम में लाएं

❄ सम्पर्क ❄ सहयोग ❄ संस्कार ❄ सेवा ❄ समर्पण

भारत विकास परिषद्, सिरसा

जल विद्युत बचत अभियान

'जल ही जीवन है' यह बात जानते हुए भी हम पानी को बहुत बरबाद करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2004 के एक सर्वेक्षण के अनुसार पूरी दूनिया के एक अरब से अधिक लोगों को पीने का साफ पानी नहीं मिलता है। भू व जल वैज्ञानिकों की भविष्यवाणियों के अनुसार भारत, चीन और अमेरिका जैसे देशों में अधिक जल दोहन से भू-जलस्तर में तेजी से आ रही गिरावट इस खतरे का संकेत है कि आने वाले समय में तीसरा विश्वयुद्ध पानी के नाम पर लड़ा जाएगा। पानी के महत्व को न समझ पाने और इसके अनियमित व अधिक दोहन एवं प्रदूषण के चलते ही आज सभी देशों को पानी के संकट का सामना करना पड़ रहा है। पानी के लिए लड़ाई गली मोहल्ले से लेकर विभिन्न देशों तक अवसर देखी गई है। पंजाब-हरियाणा, कर्नाटक-तामिलनाडू, हरियाणा-दिल्ली पंजाब-राजस्थान जैसे प्रांतों का पानी के लिए आपसी तनाव जग जाहिर है। बहुत से लोग यह नहीं जानते कि वे अनजाने में बहुत पानी बरबाद करते हैं। हवा, पानी, मिट्टी आदि प्रकृति की देन है परन्तु मुफ्त का माल नहीं है। अगर हम पानी की बचत नहीं करेंगे तो एक दिन ऐसा आएगा कि पानी के बिना हम तड़पने लगेंगे। संकल्प करें कि हम पानी को बरबाद नहीं होने देंगे।

निम्नलिखित अनुसार आप पानी की बचत कर सकते हैं :–

✡ कभी भी नल को बिना आवश्यकता खुला न छोड़ें।
✡ शेविंग या पेस्ट करते या हाथ मुंह धोते समय पानी का प्रयोग न करते समय नल बन्द कर दें। मग में पानी भरकर प्रयोग करें। यदि सम्भव हो तो पुश बटन वाली टूंटी लगवायें।
✡ नहाते समय पानी बाल्टी भरकर मग द्वारा ही प्रयोग करें। ✡ कपड़ों को मशीन में नहीं, बाल्टी में खंगालें।
✡ किसी पाईप में रिसाव हो तो उसे तुरन्त ठीक करायें।
✡ पानी की टंकी/कूलर आदि में गुबारा लगवायें ताकि टंकी भर जाने पर पानी बाहर न निकले अन्यथा विशेष ध्यान रखें कि पानी बाहर न गिरे। ✡ अपने वाहनों को पाईप से न धोएं।
✡ बर्तन साफ किए हुए टब के पानी व कपड़े खंगाले हुए पानी को सफाई, पौधों या अन्य काम लें।
✡ मिट्टी वाले सामान/स्थान को पहले झाड़ पोंछ लें फिर गीले कपड़े से साफ करें।
✡ घरों में फर्श धोने की बजाए केवल झाड़ू पोचा लगाकर ही साफ करें। पाईप से फर्श कभी न धोएं।
✡ यदि कही कोई सार्वजनिक नल खुला देखें तो उसे तुरन्त बन्द कर दें। ✡ छिड़काव न करें।
✡ बिजली आवश्यकता अनुसार ही जलायें। ✡ बड़े बल्ब की बजाय सीएफएल टयूब प्रयोग करें।
✡ रसाई, शौचालय व स्नानघर में भी लाईट काम के समय ही जलायें।

पानी बचेगा, बिजली बचेगी – बिजली बचेगी धन भी बचेगा

स्वयं करें, परिवार व काम वाली/नौकर को समझाएं, समाज को जगायें, देश बचाएं।

रमेश गोयल	डी.एन. अग्रवाल	डी डी वर्मा	हरी ओम भारद्वाज	सुमन मित्तल
अभियान संयोजक	अभियान सह-संयोजक	शाखा अध्यक्ष	सचिव	कोषाध्यक्ष
मो. 9416049757	मो. 9215266769	मो. 9416127324	मो. 9416124879	मो. 9416475531

जन्य से :

UTI Mutual Fund **UTI Collection Centre**
142, Multani Colony, Sirsa Ph. 231269, Cell. 92152-66769

D.N. Aggarwal
Chief Representative
UTI Mutual Fund

ULIP * FIX DEPOSIT * LIFE INSURANCE * MUTUAL FUND * INCOME TAX PAN CARD

सर्वोत्तम प्रिंटिंग प्रेस (ऑफ-सैट), सिरसा 221543